Assignments for TEE December 2023 and for TEE June 2024

(बीए दर्शनशास्त्र तृतीय वर्ष)

BPY-009 समकालीन पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. साधारण भाषा दर्शन के विकास में जे. एल. ऑस्टिन और पी. एफ. स्ट्रासन के योगदान पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

विट्गेन्स्टाइन के चित्र सिद्धान्त के चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

2. हुस्सर्ल के एपॉखे के विचार की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

विलियम जेम्स के प्रयोजनवादी सिद्धान्त की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

   अ) हाइडेगर यह कैसे दर्शाते हैं कि दासाइन की समग्रता और प्रामाणिकता की सत्तामीमांसीय सम्भावना सत्तारूप (ऑन्टिकली) से मूर्त (कांक्रीट) हो जाती है? 10

   आ) किर्केगार्द के दर्शन कुदान/छलांग के विचार की व्याख्या कीजिए। 10

   इ) मार्सल के दर्शन में शरीर के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 10

   ई) सार्त्र के विचार कि मनुष्य स्वतंत्र होने के लिए अभिशापित है का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) मेक्स वेबर के दर्शन में तर्कबुद्धि के विचार की व्याख्या कीजिए। 5

आ) मार्क्स के ऐतिहासिक भौतिकवाद के विचार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 5

इ) समझ/बोध की भाषागतता (लिंग्विस्टिकल्टी ऑफ़ अन्डरस्टेन्डिंग) से गाडेमर का क्या विचार है? 5

ई) "संसार तथ्यों की समग्रता है, न कि वस्तुओं की।" चर्चा कीजिए। 5

उ) संरचनावाद क्या है? 5

ऊ) अल्बेयर कामू के अनुसार, मनुष्य की निराशा (फ्रस्टेशन) में योगदान देने वाले घटक कौन से हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणियां लिखिए। 5*4= 20

अ) प्रतिमालंबन अपचयन (Eidetic Reduction) 4

आ) मार्सल के दर्शन में उपलब्धता का विचार 4

इ) लांग 4

ई) पारिवारिक सादृश्य 4

उ) उत्तर-आधुनिकतावाद 4

ऊ) निजी भाषा 4

ए) भाषा संभाषण की तरह 4

ऐ) ऑडिपस क्राइसिस 4

BPY-010 ज्ञानमीमांसा

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. आधारवाद (फाउन्डेशनलिज्म) की मुख्य परिकल्पना(एं) क्या है? चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

सत्य का संवादिता सिद्धान्त क्या है? इस सिद्धान्त के आधारभूत परिकल्पना(एं) क्या हैं? 20

2. रीति/मानक-निर्माण के लिए हेबरमास की युक्ति/तर्कणा-पद्धति पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। हेबरमास ने युक्तिपरकता/तर्कणा पर बल क्यों दिया? 20

अथवा

बौद्ध दर्शन के अपोहवाद की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए। 2*10= 20
   - अ) न्याय ज्ञानमीमांसा में अनुमान पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - आ) सत्य के नव-प्रयोजनवाद की व्याख्या कीजिए। 10
   - इ) अभाव पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - ई) न्याय दर्शन के अनुसार वाक्य की तार्किक संरचना पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) प्रत्यक्ष के प्रति पारस्थितिकीय दृष्टिकोण की मुख्य आपत्ति(यां) क्या है? 5
   - आ) आगमनात्मक पद्धति की व्याख्या कीजिए। 5
   - इ) विज्ञान और दर्शन के मध्य सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - ई) फूको और देरिदा की 'कर्त्ता' की आलोचना की तुलना कीजिए। 5
   - उ) नारीवादी ज्ञानमीमांसा की चारित्रिक विशेषताएं क्या हैं? वर्णन कीजिए। 5

ऊ) स्फोट सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) देशीकृत ज्ञानमीमांसा 4

आ) सामान्य 4

इ) डोकास्टिक कॉहरन्सिज्म (व्यक्तिगत विश्वास सम्बन्धी संसक्ततावाद) 4

ई) सत्य का प्रयोजनवादी सिद्धान्त 4

उ) सामान्य-लक्षण प्रत्यक्ष 4

ऊ) कार्तीय मन 4

ए) जीवन-आकार (फॉर्म ऑफ़ लाइफ) 4

ऐ) तथ्य-विषयक (मैटर ऑफ़ फैक्ट) 4

BPY-011 मानव-व्यक्ति दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. सिरिल डेस्ब्रुस्लाइस के मानव व्यक्ति के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

मानव अस्तित्व और स्वतन्त्रता के मध्य सम्बन्ध पर टिप्पणी कीजिए। 20

2. आत्मा की अमरता क्या है? आत्मा की अमरता सम्बन्धी भारतीय दार्शनिक दृष्टिकोणों पर एक निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

संस्कृति क्या है? क्या आप मानव को सांस्कृतिक-उत्पाद की तरह देखते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) डार्विनवाद एवं नव-डार्विनवाद में अन्तर कीजिए। 10
   - आ) भगवद्गीता के मानव व्यक्ति के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 10
   - इ) बौद्ध दर्शन के अनात्मा (अनत्ता) सिद्धान्त का मूल्यांकन कीजिए। 10
   - ई) मार्टिन बूबर के मानव व्यक्ति विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) आत्मा और शरीय के मध्य द्रव्यात्मक योग (मिलन) के पक्ष में क्या युक्ति(यां) है? 5
   - आ) संकल्प स्वातन्त्र्य की समस्या की चर्चा कीजिए। 5
   - इ) संकल्प की सत्ता को स्थापित करने के लिए क्या युक्तियां हैं? 5
   - ई) मार्ले पॉन्टी ने देकार्ते के कॉगिटो का क्या विकल्प प्रस्तुत किया? 5
   - उ) मानव शरीर की सांवृत्तिकता (फिनोमिनोलोजी) क्या है? 5

ऊ) प्रतीकात्मक सम्प्रेषण क्या है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) "सत् (बीइंग) की तरह है अतः कार्य करता है" (एज अ बीइंग सॉ इट एक्ट्स) 4

आ) परावर्तनीय चेतना (रिफ्लेक्सिव कॉन्शसनेस) 4

इ) कोजिटो इर्गो सम 4

ई) मानव अस्तित्व में भाषा की भूमिका 4

उ) रचनावाद 4

ऊ) मूल कर्तव्य की पूर्वमान्यताएं 4

ए) प्राणतत्त्ववाद 4

ऐ) जेन्डर 4

BPY-012 विज्ञान दर्शन और ब्रह्माण्ड-विज्ञान

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. आप, सुकरात-पूर्व विचारकों एवं विज्ञान के मध्य क्या कोई कड़ी पाते हैं? दोनों के मध्य कुछ सामान्य विशेषताओं को खोजने का प्रयास कीजिए। 20

अथवा

ब्रह्माण्ड के उद्भव एवं विकास पर सुकरात-पूर्व विचारकों की समझ और दृष्टिकोण पर एक निबन्ध लिखिए। 20

2. ब्रह्माण्ड-विषयक समझ के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की व्याख्या और विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

काण्ट की दिक्-काल-विषयक समझ की व्याख्या और विश्लेषण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   अ) वेरिफ़िकेशन (सत्यापन) पद्धति की व्याख्या कीजिए। कार्ल पॉपर वेरिफ़िकेशन पद्धति की आलोचना किस तरह करते हैं? 10
   आ) पैराडाइम शिफ्ट पर टिप्पणी लिखिए। 10
   इ) कॉपर्निकन प्रणाली पर टिप्पणी लिखिए। 10
   ई) विज्ञान के बाह्य इतिहास का विश्लेषण कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100-100** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   अ) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ब्रह्माण्ड में सामञ्जस्य है? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां दीजिए। 5
   आ) अरस्तू के गति-सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 5
   इ) तार्किक भाववाद क्या है? 5

ई) सापेक्षता के विशिष्ट सिद्धान्त पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

उ) स्थिर अवस्था सिद्धान्त (स्टीडि स्टेट थ्योरी) की दार्शनिक अभिकल्पनाओं पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

ऊ) ऑल्बर के विरोधाभास के दार्शनिक निहितार्थों पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग 100-100 शब्दों में लघु टिप्पणियां लिखिए। 5*4= 20

अ) मिथ्याकरण 4

आ) *हॉरर वेक्युइ* 4

इ) प्राकृतिक विज्ञान 4

ई) पश्चवर्ती गति (रेट्रोग्रेड मॉशन) 4

उ) प्राक्कल्पना 4

ऊ) व्याख्या 4

ए) कण की द्वैध प्रकृति 4

ऐ) तारतम्यहीनता/ अपरिमेयता (इन्कमेन्सुरेबिलिटी) 4

BPYE-001 धर्म-दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. ईश्वर के अस्तित्व/सत्ता को सिद्ध करने के ब्रह्माण्ड-विषयक तर्क (युक्तियां) की चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण की मुख्य प्राक्कल्पनाओं और विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

2. धार्मिक भाषा को समझने के लिए तीन पारम्परिक दृष्टिकोणों की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

मेक्स वेबर के धर्म सम्बन्धी दृष्टिकोण की व्याख्या और परीक्षण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) आन्तरिक श्रद्धागत सम्वाद की सम्भावना पर निबन्ध लिखिए। 10
   - आ) धार्मिक कट्टरतावाद की समस्याओं की चर्चा कीजिए। 10
   - इ) निरीश्वरवादवाद के विरुद्ध विविध युक्तियों की चर्चा कीजिए। 10
   - ई) धार्मिक बहुलतावाद पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) स्पिनोजा ईश्वर के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करते हैं? 5
   - आ) काण्ट के ईश्वर सम्बन्धी विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - इ) "ईश्वर सरल है।" विश्लेषण कीजिए। 5

ई) क्या आप सहमत हैं कि धर्मशास्त्रीय कथन परीक्षणीय नहीं हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 5

उ) "भाषा पवित्र द्रव्य है।" सिद्ध कीजिए। 5

ऊ) रुडोल्फ़ ऑटो की धार्मिक अनुभव को विश्लेषित करने वाली संवृत्तिपरक पद्धति की चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) धर्म 4

आ) धर्मशास्त्रीय विधेय 4

इ) अज्ञेयवाद 4

ई) अशुभ की समस्या 4

उ) 'सम्पूर्ण अन्य' (दि व्हॉली अदर) 4

ऊ) अनीश्वरवाद 4

ए) उत्तर-आधुनिक धर्म 4

ऐ) अचल चालक 4

BPYE-002 जनजाति और दलित-दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. सामाजिक आदोलनों के महत्व पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

मुण्डा जनजाति की ब्रह्माण्डीय दृष्टि की चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

2. अस्पृश्यता के उद्भव सम्बन्धी विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

ग्राम्सी के लोक-समाज (सिविल सोसायटी) के विचार की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) दलित सशक्तिकरण में लोक-समाज की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
   - आ) सबाल्टर्न अध्ययन की सीमा पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - इ) एम. के. गांधी के सामाजिक दर्शन का विश्लेषण कीजिए। 10
   - ई) भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक दर्शन का विश्लेषण कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) नैतिक अशुभ क्या है? 5
   - आ) नारायण गुरु के दर्शन पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - इ) दलित विश्व-दृष्टि में लोकगीतों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 5
   - ई) 'दलित' को परिभाषित कीजिए। 5
   - उ) दलित दर्शन एवं आन्दोलनों में पहचान के स्मरण की भूमिका की चर्चा कीजिए। 5
   - ऊ) जनजातियों के दर्शन की संक्रमण अवस्था का वर्ण कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी कीजिए। 5*4= 20

अ) आर. पण्णिक्कर की कॉस्मोथियेन्ड्रिक दृष्टि 4

आ) सबाल्टर्न इतिहास 4

इ) *तुंग-नहन* 4

ई) जनजाति 4

उ) भारत में दलित राजनीति की हेजेमनी की अवधारणा 4

ऊ) *करम* 4

ए) पहचान 4

ऐ) अभाव के स्मरण की तरह इतिहास-विद्या (हिस्टोरियोग्राफी) 4